One day **UCOST** sponsored workshop on **Intellectual Property Rights (IPR)** at **MIT** in collaboration with **PG College Rishikesh (Now Sri Dev Suman University)**

देहरादून, शनिवार
21 दिसंबर 2019
नगर संस्करण

दैनिक जागरण

www.jagran.com

सीएसी का गठन दो दिनों में : सौरव 14

भारतीय प्रतिभा के प्रवाह में रोड़ा ना बने अमेरिका 16

पेटेंट अपनाकर बौद्धिक संपदा को करें सुरक्षित : एचजी जुयाल

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश: मार्डन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तथा राजकीय महाविद्यालय ऋषिकेश के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को पेटेंट की आवश्यकता व इसके मिलने वाले अधिकारों से अवगत कराया।

शुक्रवार को मार्डन इंस्टीट्यूट में उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (युकॉस्ट) के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एनपी माहेश्वरी, कन्वेनर प्रोफेसर गुलशन कुमार ढींगरा, एमआइटी के सचिव एचजी जुयाल, को-कन्वेनर व संस्था के निदेशक रवि जुयाल ने संयुक्त रूप से किया। युकॉस्ट के टेक्निकल व पेटेंट एक्सपर्ट प्रियतमा मिश्रा ने बौद्धिक संपदा अधिकार के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ हिमांशु गोयल ने पेटेंट व उसके अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक मोबाइल फोन पर उसके कवर से लेकर सिम तक कम से कम 60 आइपीआर होते हैं, जो अलग-अलग व्यक्तियों की ओर से बनाए गए होते हैं। इसी प्रकार कोई लेख, कहानी, कविता आदि को कॉपीराइट अधिकार के तहत पेटेंट किया जा सकता है। किसी नई जानकारी, नए शोध, नए सॉफ्टवेयर, नए कलपुर्जे आदि को भी आइपीआर के माध्यम से पेटेंट कराया जा सकता है। इस अवसर पर प्रो. ज्योति जुयाल, प्रो. कौशल्या डंगवाल, नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती के अध्यक्ष रोशन रतूड़ी ने भी आइपीआर के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. माधुरी कौशिक के संचालन में चले कार्यक्रम में आइटी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रदीप पोखरियाल, इंजीनियरिंग विभाग के प्रधानाचार्य डॉ. वीके शर्मा, फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष अजय तोमर, मैनेजमेंट विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एलएम जोशी, राजकीय महाविद्यालय डॉ. दयाधर दीक्षित, डॉ. कमलेश मौजूद रहे।

मार्डन इंस्टीट्यूट में आयोजित कार्यशाला में बाएं से दाएं डॉ. गुलशन कुमार ढींगरा, एमआइटी के सचिव एचजी जुयाल, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एनपी माहेश्वरी • जागरण

पेटेंट, डिजायन, ट्रेडमार्क, कापीराइट को समझाते हुए भौगोलिक संकेतकों के पंजीकरण का महत्व बताया

बौद्धिक संपदा अधिकार का महत्व बताया

ऋषिकेश | हमारे संवाददाता

एमआईटी में आयोजित कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न पहलुओं का महत्व बताया गया। वक्ताओं ने नई जानकारी, नए शोध, नए सॉफ्टवेयर, नए कलपुर्जे आदि आईपीआर के माध्यम से पेटेंट किए जाने की जानकारी दी।

शुक्रवार को ढालवाला स्थित एमआईटी व राजकीय महाविद्यालय ऋषिकेश के संयुक्त तत्वावधान में यूकॉस्ट प्रायोजित बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। जिसका शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. एनपी माहेश्वरी, कन्वीनर प्रो. गुलशन कुमार ढींगरा, संस्थान के सचिव एचजी जुयाल, निदेशक रवि जुयाल ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। प्राचार्य डा. एनपी माहेश्वरी ने पेटेंट, डिजायन, ट्रेडमार्क, कापीराइट को समझाते हुए भौगोलिक संकेतकों के पंजीकरण का महत्व बताया।

कार्यशाला

- एमआईटी में यूकॉस्ट की बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर कार्यशाला
- कार्यशाला में आईपीआर के माध्यम से पेटेंट किए जाने की जानकारी दी

पेटेंट एक्सपर्ट प्रियतमा मिश्रा ने सर्चिंग और उसके उपयोग पर व्याख्यान दिया। सर्चिंग को विभिन्न उदाहरणों के साथ प्रस्तुत कर बताया गया कि यूकॉस्ट में निर्मित पेटेंट इंफोरमेशन सेंटर निशुल्क यह सुविधा उपलब्ध कराता है, जिसका आवेदन पत्र यूकॉस्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध है। पेटेंट एक्सपर्ट हिमांशु गोयल ने पेटेंट व उसके अधिकारों के बारे में बताया। बताया कि एक मोबाइल फोन पर भी उसके कवर से लेकर सिम तक कम से कम 60 आईपीआर होते हैं, जो अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा बनाए गए होते हैं। इसी प्रकार कोई लेख, कहानी, कविता आदि को कॉपीराइट अधिकार के अंतर्गत प्रयोग कर सकता है। किसी नई जानकारी, नए शोध, नए सॉफ्टवेयर, नए कलपुर्जे आदि अनेकों वस्तुओं को आईपीआर के माध्यम से पेटेंट कराया जा सकता है। इस मौके पर प्रो. ज्योति जुयाल, प्रो. कौशल्या डंगवाल, हिमांशु गोयल, मुनिकीरेती पालिकाध्यक्ष रोशन रतूड़ी, कार्यक्रम संचालक डॉ. माधुरी कौशिक, लिली, आईटी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रदीप पोखरियाल, इंजीनियरिंग विभाग के प्रधानाचार्य डॉ. वीके शर्मा, फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष अजय तोमर, मैनेजमेंट विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एलएम जोशी, डॉ. दयाधर दीक्षित, डॉ. कमलेश भट्ट, अंशू यादव आदि उपस्थित थे।

ढालवाला स्थित एमआईटी में शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला में अतिथियों को सम्मानित करते संस्थान के प्रबंधकगण। ● हिन्दुस्तान

पेटेंट अपनाकर बौद्धिक संपदा को करें सुरक्षित : एचजी जुयाल

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश: मार्डन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तथा राजकीय महाविद्यालय ऋषिकेश के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को पेटेंट की आवश्यकता व इसके मिलने वाले अधिकारों से अवगत कराया।

शुक्रवार को मार्डन इंस्टीट्यूट में उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (युकॉस्ट) के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एनपी माहेश्वरी, कन्वेनर प्रोफेसर गुलशन कुमार ढींगरा, एमआइटी के सचिव एचजी जुयाल, को-कन्वेनर व संस्था के निदेशक रवि जुयाल ने संयुक्त रूप से किया। युकॉस्ट के टेक्निकल व पेटेंट एक्सपर्ट प्रियतमा मिश्रा ने बौद्धिक संपदा अधिकार के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ हिमांशु गोयल ने वेटेंट व उसके अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक मोबाइल फोन पर उसके कवर से लेकर सिम तक कम से कम 60 आइपीआर होते हैं, जो अलग-अलग व्यक्तियों की ओर से बनाए गए होते हैं। इसी प्रकार कोई लेख, कहानी, कविता आदि को कॉपीराइट अधिकार के तहत पेटेंट किया जा सकता है। किसी नई जानकारी, नए शोध, नए सॉफ्टवेयर, नए कलपुर्जे आदि को भी आइपीआर के माध्यम से पेटेंट कराया जा सकता है। इस अवसर पर प्रो. ज्योति जुयाल, प्रो. कौशल्या डंगवाल, नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती के अध्यक्ष रोशन रतूड़ी ने भी आइपीआर के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. माधुरी कौशिक के संचालन में चले कार्यक्रम में आइटी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रदीप पोखरियाल, इंजीनियरिंग विभाग के प्रधानाचार्य डॉ. वीके शर्मा, फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष अजय तोमर, मैनेजमेंट विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एलएम जोशी, राजकीय महाविद्यालय डॉ. दयाधर दीक्षित, डॉ. कमलेश मौजूद रहे।

मार्डन इंस्टीट्यूट में आयोजित कार्यशाला में बाएं से दाएं डॉ. गुलशन कुमार ढींगरा, एमआइटी के सचिव एचजी जुयाल, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एनपी माहेश्वरी ● जागरण

षिकेश युवा Youth

आईपीआर से नई जानकारियों का कराया जा सकता है पेटेंट

एमआईटी में आयोजित कार्यशाला में छात्रों को दी जानकारी

अमर उजाला ब्यूरो

ऋषिकेश। मॉडर्न इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी, राजकीय महाविद्यालय ऋषिकेश और युकॉस्ट संस्थान के सयुंक्त तत्वावधान में शुक्रवार को बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर कार्यशाला अयोजित हुई। इसमें छात्रों को आईपीआर (इंटीलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट) की विस्तार से जानकारी दी गई।

एमआईटी में पालिकाध्यक्ष रोशन रतूड़ी को सम्मानित करते संस्थान के निदेशक एचजी जुयाल।

एमआईटी में शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य व कन्वेनर प्रो. एनपी माहेश्वरी, ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी प्रो. गुलशन कुमार ढींगरा, एमआईटी सचिव एचजी जुयाल, को-कन्वेनर व निदेशक रवि जुयाल, प्रो. ज्योति जुयाल, प्रो. कौशल्या डंगवाल, युकॉस्ट टेक्निकल व पेटेंट एक्सपर्ट प्रियतमा मिश्रा तथा हिमांशु गोयल ने संयुक्त रूप से किया। पेटेंट एक्सपर्ट हिमांशु गोयल ने ने बताया कि एक मोबाइल फोन पर भी उसके कवर से लेकर सिम तक कम से कम 60 आईपीआर होते हैं, जो अलग-अलग व्यक्तियों की ओर से बनाए गए होते हैं। पालिकाध्यक्ष मुनिकीरेती रोशन रतूड़ी ने बताया कि कोई लेख, कहानी, कविता आदि को कॉपीराइट अधिकार के अंतर्गत प्रयोग कर सकता है। किसी नई जानकारी, नए शोध, नए सॉफ्टवेयर, नए कलपुर्जे आदि अनेको वस्तुओं को आईपीआर के माध्यम से पेटेंट कराया जा सकता है। डॉ. माधुरी कौशिश लिली के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में आईटी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रदीप पोखरियाल, इंजीनियरिंग विभाग के प्रधानाचार्य डॉ. वीके शर्मा, फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष अजय तोमर, मैनेजमेंट विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एलएम जोशी, डॉ. दयाधर दीक्षित, डॉ. कमलेश भट्ट, अंशू यादव आदि उपस्थित रहे।